2016 में दुनिया भर में 90 से अधिक देशों में 54 गीगावाट क्षमता के स्वच्छ पवन ऊर्जा संयंत्र लगाए गए

पवन ऊर्जा में तेजी से बढ़ रहे हैं कदम

नई दिल्ली। ग्लोबल विंड एनर्जी काउंसिल (जीडब्ल्यूईसी) ने 'ग्लोबल विंड रिपोर्टः एनुअल मार्केट अपडेट' जारी किया। 2016 में दुनिया भर में 54 गीगावाट क्षमता के स्वच्छ पवन ऊर्जा के संयंत्र लगाए गए। अभी 90 से अधिक देशों में पवन ऊर्जा का कारोबार किया जा रहा है, जिनमें से 9 देश ऐसे हैं, जहां 10,000 मेगावाट से अधिक की विंड एनर्जी क्षमता इंस्टॉल है, जबकि 29 देशों में 1,000 मेगावाट से अधिक की विंड एनर्जी क्षमता इंस्टॉल हो चुकी है। इस दौरान कुल इंस्टॉल की गई पवन ऊर्जा की क्षमता 12.6 फीसदी बढ़कर 486.8 गीगावाट हो गई। पवन ऊर्जा की पहुंच लगातार बढ़ रही है और इनमें सबसे आगे है डेनमार्क, जहां कुल ऊर्जा में पवन ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर 40 फीसदी हो गई है। इसके बाद दूसरे नंबर पर 20 फीसदी से अधिक के साथ उरुग्वे, पुर्तगाल और आयरलैंड हैं, उसके बाद करीब 20 फीसदी के साथ स्पेन और साइप्रस, 16 फीसदी के साथ जर्मनी और 4 फीसदी, 5.5 फीसदी व 6 फीसदी के साथ क्रमशः चीन, अमेरिका और कनाडा हैं।

जीडब्ल्यूईसी के अगले पांच साल के अनुमान के लिए 2017 में करीब 60 गीगावाट पवन ऊर्जा इंस्टॉल की गई, जो 2021 तक वार्षिक तौर पर बढ़कर 75 गीगावाट हो जाएगी। इसके साथ ही 2021 तक कुल इंस्टॉल की गई पवन ऊर्जा क्षमता बढ़कर 800 गीगावाट से अधिक रहेगी। जीडब्ल्यूईसी के महासचिव स्टीव सॉयर ने कहा, 'पवन ऊर्जा अब दुनिया भर में बेहद अधिक सब्सिडी प्राप्त पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर रही है, नए उद्योग स्थापित कर रही है, लाखों की संख्या में रोजगार का सृजन कर रही है और स्वच्छ ऊर्जा से युक्त भविष्य बनाने की दिशा में काम कर रही है।' उन्होंने कहा, 'हम व्यापक स्तर पर बदलाव के दौर में हैं, जब लोग कुछ बड़े और प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले संयंत्रों के पावर सिस्टम से दूर जाकर विविधता से भरपूर अक्षय ऊर्जा स्रोतों का रुख कर रहे हैं। अगर हमें जलवायु परिवर्तन और विकास लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2050 से काफी पहले शून्य उत्सर्जन पावर सिस्टम विकसित करने होंगे।'